हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार 27 अप्रैल 2026

11 रोहतक रोड पर फैला अवैध कब्जों का जाल

12 स्टेडियम व स्कूल का नाम प्रो. शेर सिंह रखें

खबर संक्षेप

पार्ट टाइम जॉब का लालच देकर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

झज्जर। टेलीग्राम के जरिए पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में साइबर क्राइम की एक टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। साइबर क्राइम थाना प्रबंधक निरीक्षक सोमवीर कुमार ने बताया कि एक महिला ने 7.20 लाख से अधिक की राशि की साइबर ठगी होने की शिकायत दर्ज करवाई थी। इस पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सुनील और रामराज निवासी जिला नागौर राजस्थान के तौर पर की गई है। आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपियों को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

लाइनपार में चाकू के हमले से किशोर घायल

बहादुरगढ़। शहर के लाइनपार थाना क्षेत्र में एक किशोर पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, यूपी मूल का परिवार वर्तमान में छोटूराम नगर में किराए पर रहता है। वीरवार को नाबालिग युवक अपने छोटे भाई और दोस्त के साथ सामान लेने जा रहे थे। इसी दौरान गली में एक युवक उनसे पैसे मांगने लगा। मना करने पर आरोपी ने रास्ता रोककर मारपीट शुरू कर दी। झगड़े के दौरान चाकू निकालकर किशोर के सीने पर वार कर दिया। गंभीर हालत में परिजन उसे उपचार के लिए संजय मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल लेकर पहुंचे।

नि:शुल्क यात्रा के लिए 30 तक करें पंजीकरण

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत तख्त श्री हजूर साहिब नांदेड़ महाराष्ट्र के लिए आगामी पांच मई को कुरुक्षेत्र से विशेष ट्रेन संचालित की जाएगी। इस विशेष ट्रेन को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी झंडी दिखाकर प्रदेश के विभिन्न जिलों से जाने वाली संगत को रवाना करेंगे। उन्होंने कहा कि श्री हजूर साहिब नांदेड़ के लिए निशुल्क यात्रा के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 30 अप्रैल है।

नागरिकों से 30 तक स्व-गणना करने का आह्वान

बहादुरगढ़। एसडीएम अभिनव सिवाच ने नागरिकों से 30 अप्रैल तक निर्धारित पोर्टल के माध्यम से स्वयं एवं अपने परिवार की जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने का आह्वान किया। उनके अनुसार जनगणना-2027 के अंतर्गत प्रक्रिया को अधिक सुगम एवं तकनीकी रूप से उन्नत बनाने के उद्देश्य से स्व-गणना का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है। एसडीएम अभिनव सिवाच के अनुसार इसके लिए मोबाइल नंबर से रजिस्ट्रेशन करना जरूरी है। इससे समय की बचत के साथ-साथ प्रक्रिया में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित होगी। उन्होंने बताया कि नागरिक स्व-गणना के लिए 16 भाषाओं में से अपनी पसंद की भाषा चुन सकते हैं। फार्म में कुल 33 सवालों के जवाब देने होंगे।

इस्कॉन मंदिर में श्री विग्रहों को करवाया नौका विहार, भक्ति में सराबोर हुए श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। मनमोहक अंदाज में फूलों से सजाई गई नौका। फोटो : हरिभूमि

- नौका विहार उत्सव का उद्देश्य भक्तों को भगवान की लीलाओं से जोड़ना और समाज में आध्यात्मिकता का संदेश देना रहा : नित्यानंद

शहर के इस्कॉन मंदिर में रविवार को श्री श्री राधा मदन गोपाल के पावन सान्निध्य में आयोजित नौका विहार उत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हो गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान की दिव्य लीलाओं का आनंद लिया। सायंकाल शुरू हुए इस उत्सव में श्री विग्रहों को पुष्पों से सुसज्जित आकर्षक नौका में विराजमान कर जल विहार कराया गया।

मनमोहक सजावट और भव्य आयोजन ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। नौका विहार के दौरान भक्तों ने दर्शन कर भगवान से सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन का भी विशेष आयोजन किया गया। हरिनाम संकीर्तन और मधुर भजनों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। श्रद्धालु भक्ति रस में लीन होकर झूमते नजर आए। नित्यानंद आश्रय दास के अनुसार नौका विहार उत्सव का उद्देश्य भक्तों को भगवान की लीलाओं से जोड़ना और समाज में आध्यात्मिकता का संदेश देना है। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विक्रम महेश्वरी ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। उत्सव के अंत में सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरित किया गया।

बहादुरगढ़। इस्कॉन मंदिर में राधा-कृष्ण को नौका विहार करवाते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

करीब 20 दिन पहले लिखा सुसाइड नोट, अपनों पर ही लगाए आरोप

मातनहेल में घरेलू कलह से परेशान पूर्व सैनिक ने गोली मारकर की आत्महत्या

- सीआरपीएफ में हवलदार पद से सेवानिवृत्त हुए थे नरेंद्र, लाइसेंसी पिस्टल से चलाई गोली
- सुसाइड नोट में अपनी पत्नी, पुत्रवधू व पुत्र को मौत का जिम्मेदार ठहराया, भतीजे ने शिकायत दर्ज करवाई

झज्जर। अस्पताल में उपस्थित पुलिस व परिजन व इनसेट में बरामद पिस्टल।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव मातनहेल में रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे एक पूर्व सैनिक ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से स्वयं को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि मृतक नरेंद्र सीआरपीएफ में हवलदार पद से सेवानिवृत्त हुए थे। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान नरेंद्र पुत्र राय सिंह के तौर पर हुई है।

मृतक नरेंद्र। -फाइल फोटो

पुलिस को दी शिकायत में मृतक के भतीजे अमित पुत्र सुरेंद्र ने बताया कि उसके चाचा नरेंद्र का मकान उसके मकान के साथ लगता है। उसे रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे गोली चलने की आवाज आई। जिसके बाद वह जब चाचा के घर गया तो वहां देखा कि उसके चाचा नरेंद्र के सिर में गोली लगने का निशान था तथा उनका लाइसेंसी पिस्टल भी साथ में पड़ा था। कमरे में खून फैला हुआ था। इसके उपरांत एफएसएल टीम ने भी मौका-मुआयना कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस द्वारा चिकित्सकीय बोर्ड से पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। इस संबंध में पुलिस को सुसाइड नोट भी मौके से बरामद हुआ है। बीती 6 अप्रैल को लिखे इस सुसाइड नोट में मृतक ने अपनी पत्नी, पुत्रवधू व पुत्र को मौत का जिम्मेदार ठहराया है। इस संबंध में पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

बाकरा हेड में मिला रोहतक के एसी मैकेनिक का शव, 24 से था लापता

झज्जर। नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी।

झज्जर। क्षेत्र के बाकरा हेड में पुलिस को एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान रोहतक की चावला कॉलोनी निवासी करीब 24 वर्षीय अनुराग पुत्र कन्हैया लाल के तौर पर हुई है। पोस्टमार्टम के दौरान नागरिक अस्पताल में उपस्थित मृतक के परिजनों ने बताया कि अनुराग बीती 24 अप्रैल को रोहतक से दोपहर करीब एक बजे लापता हुआ था। इस संबंध में उन्होंने 25 अप्रैल को उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी संबंधित थाना में दर्ज कराई गई थी। वह अविवाहित था और एसी मैकेनिक का काम करता था। मामले के जांच अधिकारी अनूप सिंह ने बताया कि सुबह करीब नौ बजे जब उन्हें नहर में शव मिला तो परिजनों को पहचान के लिए बुलाया गया। परिजनों द्वारा उसकी शिनाख्त की गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

खेत में युवक ने फंदा लगाकर दी जान

झज्जर। क्षेत्र के गांव तुंबाहेड़ी में अज्ञात कारणों के चलते एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक की पहचान करीब तीस वर्षीय दीपक उर्फ मुन्ना पुत्र राजेंद्र के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी सागर ने बताया कि दीपक उर्फ मुन्ना अविवाहित था। वह खेतीबाड़ी का काम करता था। उसने रविवार की सुबह करीब पांच बजे अपने खेत में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

खेतों में लगी आग झुग्गियों तक पहुंची

आग में जिंदा जली सात वर्षीय बच्ची, 13 झुग्गियां भी खाक

- प्रवासी श्रमिक अपने कामों में लगे हुए थे, झुग्गी में अकेली थी बच्ची

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव सौंधी के नजदीक खेतों में जलाई गई पराली ने एक सात वर्षीय मासूम की जिदंगी लील ली। खेतों में लगी आग जब सेक्टर की झुग्गियों तक पहुंची तो इस भयंकर आग में प्रवासी श्रमिकों की न केवल 13 झुग्गियां जलकर राख हो गई बल्कि उसमें मौजूद एक सात वर्षीय बच्ची की झुलसकर मौत हो गई। मृतका की पहचान अमरोहा जिला यूपी के शीतला सराय गांव निवासी सलोनी पुत्री बुद्धसेन के तौर पर हुई है। यह हादसा रविवार दोपहर करीब सवा तीन बजे उस समय हुआ जब सभी प्रवासी श्रमिक अपने काम में लगे थे और सलोनी झुग्गी में अकेली थी। उसी दौरान खेतों में लगी झुग्गियों तक पहुंच गई और यह हादसा हो गया। इसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने बड़ी मशक्कत के बाद जब तक आग पर काबू पाया तब तक 13 झुग्गियां जलकर राख चुकी थी और उसमें मासूम सलोनी भी आग की भेंट चढ़ गई। जानकारी के अनुसार जिस क्षेत्र में आग लगी वहां करीब तीस से चालीस झुग्गियां हैं। ऐसे में फायर ब्रिगेड ने अन्य झुग्गियों को तो बचा लिया, लेकिन वह 13 झुग्गियों व मासूम सलोनी को नहीं बचा पाए।

खेत में मिला शव, गर्मी से मौत की आशंका

बहादुरगढ़। गांव टांडाहेड़ी के खेत में बने कोठड़े में एक व्यक्ति का शव मिला है। शरीर पर किसी तरह की चोट का निशान तो नहीं है, लेकिन नाक से खून निकला हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों की पुष्टि हो पाएगी। घटना रविवार सुबह की है। गांव का एक युवक खेतों की तरफ टहलने गया हुआ था। इस दौरान उसे खेतों में बने कोठडे के बाहर बिछे तख्त पर एक व्यक्ति नजर आया। उसके मृत मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। मृतक की पहचान करीब 60 वर्षीय सतबीर के रूप में हुई है। संभवतः गर्मी से मौत की आशंका जताई जा रही है।

प्रतिबंधित नशीले कैप्सूलों के साथ युवक काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक सेल झज्जर की टीम ने लाइनपार थाना क्षेत्र में एक आरोपी को भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल के साथ काबू किया। सेल प्रभारी दीपक ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यशवंत निवासी चंद्र विहार निलोठी दिल्ली छोटूराम नगर में पकड़ा। नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी के समक्ष तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से 720 नशीले कैप्सूल बरामद किए गए। आरोपी को अदालत में पेश करके 2 दिन के रिमांड पर लिया गया है।

सेक्टर-9 में अधूरी ग्रीन बेल्ट का निर्माण शुरू

बहादुरगढ़। सेक्टर-9 में ग्रीन बेल्ट की बाउंड्री करते मिस्त्री-मजदूर।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

- खाली जमीन पर नगरपरिषद बॉउंड्री कर ग्रिल लगवाएगी। हाईमास्क लाइट लगने के साथ स्लोगन भी लगेंगे। पौधों से बढ़ेगी सुंदरता
- पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह से मिलकर समस्या से करवाया था अवगत

शहर के सेक्टर-9 की अधूरी पड़ी ग्रीन बेल्ट का काम शुरू हो गया है। इससे स्थानीय निवासियों को गंदगी से निजात मिलेगी। नशेड़ियों व आवारा पशुओं के जमावड़े से भी छुटकारा मिलेगा। पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष सभी सेक्टरों की अधूरी पड़ी ग्रीन बेल्ट बनवाने की मांग की थी। इस पर मुख्यमंत्री नें इन्हें बनवाने के आदेश दिए हैं। बीएंडआर की इस खाली जमीन पर नगरपरिषद द्वारा बॉउंड्री करके ग्रिल लगवाई जाएगी। हाईमास्क लाइट लगने के साथ स्लोगन भी लगेंगे। वहीं ग्रीन बेल्ट को हरा-भरा रखने के लिए इसमें घास व पौधे लगवाए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों से सुंदर ग्रीन बेल्ट बनाने का आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी का आभार जताया है।

बैठक | श्री ब्राह्मण महासभा की बैठक में हंगामे के बाद समाधान की ओर बढ़े कदम

विधायक कुलदीप वत्स व संत सुरेहती विवाद सुलझाने के लिए बनेगी 11 सदस्यीय कमेटी

दोनों ने समाज पर छोड़ा फैसला, कहा सच्चाई सामने लाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

बादली से कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स और संत सुरेहती के बीच भगवान परशुराम भवन शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान हुए विवाद को लेकर स्थानीय ब्राह्मण धर्मशाला में रविवार को श्री ब्राह्मण महासभा की बैठक प्रधान राज देवरखाना की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में जमकर हंगामा हुआ और एक दूसरे के ऊपर आरोप-प्रत्यारोप भी लगे, लेकिन बाद में मामले को सुलझाने के लिए 11 सदस्यीय कमेटी बनाने पर सहमति बनी। जो दोनों पक्षों से बातचीत कर मामले का समाधान निकालने का प्रयास करेगी। इस दौरान विधायक कुलदीप वत्स से फोन पर बातचीत भी की गई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे समाज से बड़े नहीं हैं और जो भी निर्णय समाज लेगा, उन्हें स्वीकार होगा। वहीं, बैठक में मौजूद संत सुरहेती ने कहा कि समाज जो भी सही फैसला करेगा, वह उन्हें मान्य होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि कमेटी निष्पक्ष रूप से जांच कर सच्चाई सामने लाएगी। इससे पूर्व बैठक में श्री ब्राह्मण महासभा के आय-व्यय का ब्योरा भी प्रस्तुत किया गया।

झज्जर। बैठक में उपस्थित ब्राह्मण समाज के लोग।

विधायक वत्स ने पूर्व विधायक नरेश शर्मा को भेजा पांच करोड़ का नोटिस

झज्जर। बादली से कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स ने पूर्व विधायक नरेश शर्मा को पांच करोड़ का मानहानि का नोटिस भेजा है। जिसमें इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर लगाए गए आरोपों को झूठा, मनगढंत और बेबुनियाद करार देते हुए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। नोटिस में नरेश शर्मा को 48 घंटे में सभी आपत्तिजनक पोस्ट और वीडियो हटाने, सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगने को कहा गया है। नोटिस प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर पांच करोड़ रुपये का हर्जाना देने की बात कही गई है। साथ ही यह भी कहा गया है कि ऐसा न होने पर उनके खिलाफ नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

दोपहर 12 से 3 बजे तक बाहर घूमने से बचें : डीसी

- डीसी ने नागरिकों से की हीट वेव को लेकर सतर्कता बरतने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

स्वप्निल रविन्द्र पाटिल, डीसी झज्जर।

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने दिन प्रतिदिन गर्मी के बढ़ते प्रभाव के चलते जिला वासियों से सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक गर्मी के दौरान विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों, किसानों और बीमार व्यक्तियों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि बचाव ही सबसे बेहतर उपाय है। उन्होंने कहा कि हीट वेव एडवाइजरी के अनुसार दोपहर 12 बजे से शाम 3 बजे तक की तेज धूप से बचें, हल्के रंग के ढीले और सूती कपड़े पहनें, बाहर निकलते समय सिर को कपड़े, टोपी या छतरी से ढकें, नियमित रूप से पानी का ज्यादा से ज्यादा सेवन करें, भले ही प्यास न लगी हो। लस्सी, छाछ, नींबू पानी, ओआरएस जैसे पेय पदार्थों का सेवन करें। इसके अलावा नागरिक काम करते समय बीच-बीच में आराम करें और छायादार स्थान पर ठहरें, घर का बना ताजा भोजन करें और जंक फूड से परहेज करें।

गांवों के नाम रागों पर आधारित

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

हरियाणवी लोकगीतों में सात्विक प्रेम और विरह

हरियाणवी लोक-साहित्य का एक दूसरा पहलू भी है जो बहुत कोमल, संवेदनशील और सात्विक है। यह वह प्रेम है जिसे हम 'सात्विक' कह सकते हैं, क्योंकि इसमें कोई वासना नहीं है, कोई दिखावा नहीं है। यह प्रेम पति-पत्नी के उस अटूट रिश्ते पर आधारित है, जहां समर्पण ही सबसे बड़ा सुख है।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

लोकगीत किसी भी समाज की आत्मा होते हैं। जब हम हरियाणा की बात करते हैं, तो अक्सर लोगों का ध्यान यहां की वीरता, कुश्ती के मैदानों की तरफ जाता है। लेकिन, हरियाणवी लोक-साहित्य का एक दूसरा पहलू भी है जो बहुत कोमल, संवेदनशील और सात्विक है। यह वह प्रेम है जिसे हम 'सात्विक' कह

सकते हैं, क्योंकि इसमें कोई वासना नहीं है, कोई दिखावा नहीं है। यह प्रेम पति-पत्नी के उस अटूट रिश्ते पर आधारित है, जहां समर्पण ही सबसे बड़ा सुख है। आज हम हरियाणवी लोकगीतों के आईने में उस प्रेम और विरह को देखने की कोशिश करेंगे, जो हमारी माटी की असल पहचान है।

हरियाणवी लोकगीतों में विरह केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक अनुभव है। यहां का लोक-मानस प्रकृति के साथ इतना जुड़ा हुआ है कि मौसम बदलते ही मन की अवस्था भी बदल जाती है। जब पिया परदेश में हो, तो सावन की फुहारें या कोयल की कूक किसी कांटे की तरह चुभने लगती है। एक स्त्री जब अपने पिया के वियोग में होती है, तो वह प्रकृति को ही अपना साथी मान लेती है। हरियाणवी लोक-साहित्य में मौजूद 'बारामासा' गीत में एक स्त्री का अपने प्रिय के प्रति सात्विक मोह और समाज की ओर से पूछे जाने वाले सवालों का जवाब देखिए:

आम्बों की ठंडी सी छांह, निंबों नीचे क्यूं खड़ी?
के तेरे पिया परदेस, के तेरी सास बुरी?
उड़ जा रे काले से काग, तन्नै मेरी के पड़ी?
ना मेरे पिया परदेस, ना है मेरी सास बुरी।
आया है साढ़ज मास, आवैं घन घोर कै,
जो घर होत्ते म्हारे लाल, बंगला छुवावते।

इस गीत में स्त्री की जो मर्यादा है, वह काबिले तारीफ है। वह स्त्री अपनी निजी पीड़ा को सार्वजनिक नहीं करती। वह अपनी गरिमा बनाए रखती है। जब मन में विरह की आग जल रही हो, तो बाहर की हर सुरीली चीज़ भी शोर लगने लगती है। कोयल की आवाज़ जो वसंत में लोगों को मोह लेती है, एक विरहिणी के लिए बेचैनी का कारण बन जाती है। यहां लोकगीत की वह गहराई देखिए, जहां वह कोयल से ही संवाद करने लगती है:

मेरे पिया गए परदेस, कोयलिया क्यूं बोल्लै सै।
यो सै मेरे पिया जी का नां, कोयलिया क्यूं बोल्लै सै।
तूं तै काली बणी भगवान, काम्मण उनकी गोरी सै।
मेरे मन म्हं उठैं सै हिलोर, तूं काल क्यूं हो री सै।
तूं तै काले बादल की गैल, उड़ जा री अम्बर म्हं।
बेबे! हम विरहण की रात कटै सै पीहर म्हं।

यहां नायिका को लगता है कि कोयल उसे उसके प्रिय की याद दिलाकर सता रही है। वह कोयल से ही शिकायत करती है कि तू क्यों बोल रही है? क्या तुझे पता है कि मेरे पिया परदेश में हैं? यह लोक-साहित्य का वह जादू है, जहां निर्जीव और सजीव को एक ही धागे में पिरो दिया गया है। पीहर (मायके) में बैठी वह नायिका, अपने पति से दूर है, और उसकी टीस इन शब्दों में साफ़ झलकती है।

पुराने समय में चिट्ठी का आना किसी बड़े आयोजन से कम नहीं था। चिट्ठी में लिखे शब्द प्रियतम की उपस्थिति का अहसास कराते थे। लेकिन उन शब्दों को पढ़ना और फिर रो पड़ना, यह एक विरहिणी की सहज प्रतिक्रिया है। जब सहेलियां घेरा डाल कर पूछती हैं कि जीजा जी ने क्या लिखा है, तो उस बेचारी का हाल देखिए:

बांचत बांचत हुई हाल बेहाल,
आंख्यां तैं आंसू ढारती
हाय री, अभागण नार,
पिया बिन दिन एकली काटती।

हरियाणवी लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे महलों की कहानियां नहीं सुनाते, बल्कि खेतों में पसीना बहाने वाली आम औरत की कहानी सुनाते हैं। यहां का प्रेम भी मेहनत से जुड़ा है। काम के बीच पिया की याद आना, यह दिखाता है कि प्रेम कोई अलग से किया जाने वाला काम नहीं, बल्कि जीने का एक हिस्सा है। देखिए, खेत में काम करती एक स्त्री जब अपने पति से मिलती है:

मेरे पिया की चिट्ठी आई बेबे ए छुट्टी मिलदी ना मूल
सिर पर घड़वा कांधै पै कसौल्ला बेबे हे
ईख नुलावण जांसीसम निच्चै घड़वा तार्या बेबे ए
बीघे का धर लिया घेर सारे सरीर पै तै आया
पसिन्ना बेबे ए मुट्ठी हो गई लाल''

इस गीत में प्रेम का एक व्यावहारिक पक्ष दृष्टिगोचर होता है। पति का आना, काम छोड़ कर उसे लेने जाना, और फिर घर की बातें करना, यह जीवन का सबसे सुंदर दृश्य है। यहां यह दर्शाया गया है कि पति-पत्नी का रिश्ता केवल दो लोगों का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी का आधार भी है। यह सात्विक प्रेम है, जहां पसीने की गंध में भी प्यार की खुशबू है। बुढ़ापे में या तन्हाई में इंसान अपने अतीत की उन छोटी-छोटी बातों को याद करता है जो कभी सामान्य लगती थीं, लेकिन अब बहुत कीमती हो गई हैं। पति-पत्नी का साथ नहाना, साथ खाना, और वो 'मस्त' हो जाना, ये बातें आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में गायब होती जा रही हैं। लोकगीत हमें उसी सादगी की याद दिलाते हैं:

ये जुल्मी नैण बुरे कोए दिन याद करो
एक न्हाणा न्हाण आले दो जणैन्हा
न्हा मस्त हुए कोए दिन याद करो
एक खाणा खाण आले दो जणै

कितनी गहरी बात कही गई है! 'जुल्मी नैण' जो उन पुराने दिनों को याद करके दुखी हो रहे हैं। वह समय जब दो लोग साथ खाते-पीते थे और खुश रहते थे। यह प्रेम का वह शुद्ध रूप है, जहां किसी बड़े उपहार की आवश्यकता नहीं थी, बस साथ होना ही काफी था। सुख कहीं बाहर नहीं, बल्कि अपने ही घर में, अपने साथी के साथ बिताए गए पलों में है। हरियाणवी लोकगीतों में नायक और नायिका का संवाद बहुत चतुर होता है। वे सीधे-सीधे बात नहीं कहते, बल्कि गीतों के माध्यम से अपनी बात रखते हैं। यहां देखिए एक नायक जब अपनी नायिका से मिलने का बहाना ढूंढता है, तो वह कैसे अपनी चतुराई और मर्यादा का परिचय देती है:

हो रास्ते में पड़ गयो झील, छैल तेरे आने जाने में
हो तेरा बाप घर पर नहीं, छैल तेरी मय्या बुला रही सै
हो मेरी अम्मां गंगा नीर, नीर के दोष लगावो मत ना
हो तेरा भय्या घर पर नहीं, छैल तेरी भाभी बुला रही सै

यह गीत भारतीय संस्कृति का एक बेहतरीन उदाहरण है। नायक उसे बुलाने के लिए घर के हर सदस्य का नाम लेता है, लेकिन नायिका हर सदस्य को एक पवित्र चीज़ (गंगा नीर, जमुना नीर, कच्चा दूध) से जोड़कर उसे गलत साबित कर देती है। यह प्रेम में भी एक नैतिक मर्यादा का पालन है। यहां कोई वासना नहीं है, बल्कि एक-दूसरे को परखने और मर्यादा में रहने का एक अनूठा खेल है। हरियाणवी स्त्री का यह 'सतीत्व' और 'मर्यादा' लोक गीतों में ही सुरक्षित है।

हमारे यहां अतिथि को भगवान माना गया है, और जब वह अतिथि स्वयं 'प्रियतम' हो, तो सेवा का भाव और भी बढ़ जाता है। पत्नी अपने पति के लिए किस प्रकार का भाव रखती है, इसे देखिए:

म्हारे बाग का मिसरी मेवा चाख कै नै जाइये
तेरे हाथ की रै माली की रोटी ना भावै
कच्चे पाक्के फल तोड़ै मनै आच्छे ना लागैं
सेठ की सिठाणी पै तेरी रोटी पुआ द्यूंगी

यह केवल भोजन कराने का गीत नहीं है। यह प्रेम की वह पराकाष्ठा है, जहां एक पत्नी अपने पति को रोकना चाहती है। वह उसे अपने बगीचे का मेवा खिलाना चाहती है, उसे आराम देना चाहती है। असल में हरियाणा का लोक-साहित्य प्रेम और विरह को कभी भी रुग्ण या नकारात्मक नहीं मानता। यहां प्रेम केवल एक आकर्षण नहीं है, यह जीवन की एक बड़ी जिम्मेदारी है। पति-पत्नी का रिश्ता, जो इन गीतों का केंद्र है, वह त्याग और समझौते पर टिका है। चाहे वह परदेश जाने का दुःख हो या साथ बिताए पलों की याद, हरियाणवी लोक-गीतों ने इन भावनाओं को शब्दों की ऐसी माला में पिरोया है कि वे सदियों बाद भी ताजी लगती हैं। इन गीतों में वर्णित नायिका अबला नहीं है, वह एक सबल स्त्री है जो अपने परिवार के प्रति संवेदनशील है, अपनी मर्यादा के प्रति सजग है और अपने प्रियतम के प्रति समर्पित है।

अंत में, यही कह सकते हैं कि हरियाणवी लोक गीतों में जो सात्विक प्रेम और विरह का वर्णन है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है। यह धरोहर हमें बताती है कि कैसे जीवन को सादगी से जीना है और कैसे रिश्तों को बिना किसी दिखावे के, केवल प्रेम और विश्वास से सींचना है। ये लोकगीत हमारे इतिहास के वो पन्ने हैं जिन्हें अगर हम मिटने देंगे, तो हम अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए, इन गीतों का गायन और इनका चिंतन, हमारे लिए एक सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। हरियाणवी लोक-साहित्य का यह 'सात्विक प्रेम' सदा जीवंत रहे, यही कामना है।

हरियाणवी लोक गीतों में जो सात्विक प्रेम और विरह का वर्णन है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है। यह धरोहर हमें बताती है कि कैसे जीवन को सादगी से जीना है और कैसे रिश्तों को बिना किसी दिखावे के, केवल प्रेम और विश्वास से सींचना है। ये लोकगीत हमारे इतिहास के वो पन्ने हैं जिन्हें अगर हम मिटने देंगे, तो हम अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए, इन गीतों का गायन और इनका चिंतन, हमारे लिए एक सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। हरियाणवी लोक-साहित्य का यह 'सात्विक प्रेम' सदा जीवंत रहे, यही कामना है।

गजल | रामफल गौड़

हिम्मत करकै छोड़ उदास्सी

हिम्मत करकै छोड़ उदास्सी।
हांस हांस कै ले स्याबास्सी ।

इब इतिहास नवा लिखणा सै,
कथा पुराणी होल्यी बास्सी ।

अरधसरीरी नार सदा की,
मूरख कहण लगे थे दास्सी ।

करदे आच्छा काम कदे बी,
के मावस सै के पणवास्सी ।

भांड्डा फुट्टै च्योड़ै काल्लर,
कै दिन चाल्लैगी बद[redacted]सी ।

बण्या कैरियर जी की [redacted]ज्जी ,
करोंत पड़ै सै लेणा कास्सी ।

आवैं बाळक ईब मिलण न्यूं,
पंछी हों ज्युक्कर परवास्सी।

सदा चालिए चाल आपणी,
नकल करण तै होसै हांस्सी।

कड़ै छणैं सैं दूध अर नीर,
हंस जड़ै आवैं फरमास्सी।

देख कुढंग गाम के रामफळ ,
लोग बणे इब सैह्र निवास्सी ।

रागिनी | भूपसिंह 'भारती'

मतना काटो पेड़ां नै

मतना काटो पेड़ां नै, न्यू कहरी बेटी थारी।
शुद्ध हवा हमनै दे कै, रखवाली करते म्हारी।।

लालच के चक्कर म्हा थम, कती नहीं शर्माए,
पाच्छै पड़ रहे पेड़ा कै, ये जंगल काट भगाये,
जै ये पेड़ नहीं बचाये, ना बचै ये दुनियादारी।

धरती का सिंगार करै, करकै ये हरियाली,
बरखा नै ये ले कै आवै, [redacted]यावै सै खुशहाली,
जंगल करो नहीं खाल[redacted]ड़ा पै धरकै आरी।

धरती मां के घने लाडले, जन्म जन्म के साथी,
पर्यावरण शुद्ध करकै, ये बणते सदा हिमाती,
लूएं रोकै ताती ताती, दे सीली छाया प्यारी।

मीठे मीठे फल देवै, ये देवै भोजन पाणी,
पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ, कहै बात या बेटी याणी,
समझ 'भारती' बात या स्याणी, फेर खिलै फुलवारी।
मतना काटो पेड़ा नै, न्यू कहरी बेटी थारी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

परिवेश

आज के दौर में गांव को 'स्मार्ट' बनाने के साथ-साथ उसे फिर से 'संवेदनशील' बनाने की आवश्यकता

चौपाल की गूंज से डिजिटल मौन तक

बदलाव | सरिता

हरियाणा की माटी की खुशबू केवल खेतों की सौंधी सुगंध में नहीं, बल्कि उन अनकहे रिश्तों और सांस्कृतिक ताने-बाने में रची-बसी थी, जो कभी गांवों की पहचान हुआ करते थे। आज जब हम हरियाणा के ग्रामीण परिवेश को देखते हैं तो पाते हैं कि यह बदलाव एक संपूर्ण 'जीवन-दर्शन' का रूपांतरण है।

कभी जो चौपालें गांव का हृदय हुआ करती थीं, आज वहां सन्नाटा पसरा है और भौतिक विकास की चकाचौंध के बीच मानवीय संवेदनाओं का अर्थ बदल गया है। कुछ दशकों पहले तक, हरियाणा के गांवों में 'भाईचारा' केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक ढ़ंग था। गांव की चौपाल महज ईंट-पत्थर का एक ढांचा न होकर गांव का 'सुप्रीम कोर्ट' और 'सांस्कृतिक केंद्र' थी। शाम ढलते ही चौपाल पर जो चर्चाएं होती थीं, उनमें राजनीति से लेकर सारे गाँव का सुख-दुःख, लोक-कला और रागनियों की समीक्षा तक शामिल होती थी। उस दौर में गांव की हर खुशी और हर गम साझा होता था। फसल की कटाई हो या किसी के घर विवाह, पूरा गांव एक परिवार की तरह खड़ा होता था। कुंओं की जगत पर महिलाओं का मिलना और लोकगीतों के माध्यम से सुख-दुख साझा करना, एक ऐसा 'सोशल नेटवर्क' था जो आज के डिजिटल युग से कहीं अधिक मजबूत था। आपको याद है ना .... 'मेरे सिर पै बंटा टोकणी' और 'पाणी लेण मैं तो कुंए पै गयी थी' ये लोकगीत शाम को कानों में पड़ते थे तो दिनभर की थकान दूर हो जाती थी। उस समय की भाषा में मिठास थी और व्यवहार में 'मान-मर्यादा' का

भाव था। व्यक्ति अपनी पहचान से अधिक अपने गोत्र और गांव की प्रतिष्ठा के प्रति समर्पित रहता था। वहां तर्क के साथ-साथ 'लोक-विवेक' को अधिक महत्व दिया जाता था। समय का पहिया घूमा, तो ग्रामीण हरियाणा का भौतिक स्वरूप तेजी से बदलने लगा। कच्चे घरों की जगह कंक्रीट के बहुमंजिला मकानों ने ले ली। इस निर्माण के साथ ही 'आंगन' सिमट गए। संयुक्त परिवार, जो सुरक्षा और संस्कारों के संवाहक थे, एकल परिवारों में टूट गए। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी बड़ा बदलाव आया। खेती के साथ पशुपालन और पारंपरिक हस्तशिल्प की महत्ता कम होती गई। युवा पीढ़ी का झुकाव शहरों की ओर बढ़ा, जिससे गांवों में 'बुजुर्गों का अकेलापन' एक नई चुनौती बनकर उभरा। जो चौपाल कभी विचारों के आदान-प्रदान का केंद्र थी, वहां अब केवल बुजुर्गों की यादें शेष बची हैं या फिर वह केवल चुनाव के समय राजनीतिक अखाड़ा बन गई हैं। आज का ग्रामीण परिवेश एक अजीब से द्वंद्व में जी रहा है। एक तरफ भौतिक सुख-सुविधाएं हैं तो दूसरी तरफ मानसिक तनाव। मोबाइल और सोशल मीडिया ने गांव को वैश्विक दुनिया से तो जोड़ दिया है, लेकिन पड़ोसियों से दूरी भी बढ़ा दी है। अब लोग एक ही गांव में रहते हुए भी एक-दूसरे से डिजिटल तरीके से जुड़े हैं, लेकिन आमने-सामने बैठकर 'दिल की बात' करने का वक्त कम हो गया है। सबसे बड़ा बदलाव भाषा और संस्कारों में आया है। हरियाणवी बोली, जो अपनी ओजस्विता के लिए जानी जाती थी, वह आज अपनी शुद्धता खो रही है।

नई पीढ़ी के लिए लोक-साहित्य और रागनियों का स्थान अभद्र गीतों और फूहड़ता परोसती वेब सीरीज ने ले लिया है। सोशल मीडिया पर अश्लील और द्विअर्थी संवादों को लेकर सामग्री परोसकर लाइक और व्यूज बटोरते बुजुर्ग, महिलाएं तथा बच्चे बहुसंख्या में देखे जा सकते हैं। संस्कारों का वह ढांचा, जो नैतिकता और बड़ों के प्रति सम्मान पर टिका था, वह अब व्यक्तिगत स्वतंत्रता की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है। जब हम इन दो युगों की तुलना करते हैं, तो यह कहना कठिन है कि परिवर्तन पूरी तरह नकारात्मक है। आज का ग्रामीण हरियाणा अधिक शिक्षित है, जागरूक है और आर्थिक रूप से सशक्त भी। प्रश्न यह है कि क्या हमने विकास की दौड़ में अपनी जड़ों को सुरक्षित रखा है? प्राचीन हरियाणा में जो 'सामूहिकता' थी, वह आज की 'वैयक्तिकता' में कहीं खो गई है। पहले जहां व्यक्ति 'गांव का हिस्सा' था, वहीं आज वह 'दुनिया का नागरिक' बनने की होड़ में है। इस दौड़ में सबसे बड़ी क्षति 'लोक-स्मृतियों' की हुई है। दादा-दादी की कहानियों से मिलने वाले संस्कार और चौपालों पर मिलने वाले व्यावहारिक ज्ञान का स्थान अब गूगल और एआई ने ले लिया है।

हरियाणा के बदलते परिवेश को नकारना असंभव है, क्योंकि परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है। लेकिन सांस्कृतिक विस्थापन को रोकना हमारे हाथ में है। अगर हम उस सोच को, उस भाईचारे को, और उस लोक-चेतना को अपने जीवन में फिर से स्थान दे सकें, तो हम आधुनिकता के साथ-साथ अपनी जड़ों को भी जीवित रख पाएंगे। दरअसल आज के बदलते दौर में गांव को 'स्मार्ट' बनाने के साथ-साथ हमें उसे फिर से 'संवेदनशील' बनाने की आवश्यकता है। क्योंकि अंततः, एक समाज की असली पहचान उसके कंक्रीट के जंगलों से नहीं, बल्कि उस भाईचारे से होती है जो मुश्किल घड़ी में एक-दूसरे के काम आता है।

सांस्कृतिक विरासत के सजग प्रहरी हैं मुकेश काले

कलाकार | अंकुर शर्मा

हरियाणा की माटी और यहां की आबोहवा में रची-बसी रागनियों ने न केवल इस प्रदेश को वैश्विक स्तर पर पहचान दी है, बल्कि सामाजिक सरोकारों और सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत रखा है। जब हम हरियाणा के लोक रंग की चर्चा करते हैं, तो अक्सर हमारा

ध्यान पुराने दौर के गायकों पर जाता है, लेकिन वर्तमान समय में रेवाड़ी जिले के एक युवा कलाकार ने आधुनिकता और परंपरा के बीच एक ऐसा सेतु बनाया है जिसने सबको अचंभित कर दिया है। यह नाम है-मुकेश काले। मुकेश काले, जिनका मूल नाम मुकेश जांगड़ा है, का जन्म 29 नवंबर, 1999 को हरियाणा के रेवाड़ी जिले के एक छोटे से गांव देहलावास गुलाबपुरा में हुआ।

इनके पिता श्री हरिप्रकाश और माता आशा देवी ने बचपन से ही उन्हें संस्कारों की घुट्टी पिलाई। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े काले का मन बचपन से ही चौपालों में होने वाली भजन मंडलियों और रागनियों में रमता था, जहां वे गांव की मंडलियों और जागरणों का हिस्सा बनते थे।अक्सर यह माना जाता है कि उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में जाने के बाद युवा अपनी जड़ों से कट जाते हैं, लेकिन काले ने इस धारणा को गलत साबित किया। उन्होंने देश के प्रतिष्ठित संस्थान एनआईटी, कुरुक्षेत्र से बी.टेक. की डिग्री हासिल की और वर्तमान में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में एक

इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। कार्यक्षेत्र की व्यस्तताओं के बावजूद, उनके भीतर का कलाकार निरंतर सक्रिय रहा है। काले की गायकी की जड़ें उन दिग्गजों के सान्निध्य में गहरी हुई हैं, जिन्होंने रेडियो और सांग के माध्यम से हरियाणा की लोक कला को जीवित रखा। वे प्रेम सिंह देहाती, रेडियो कलाकार गुलाब सिंह खांडेवाल, निरंजन सांगी और गढ़वा लाइन के मास्टर सतबीर पालेराम दहिया को अपना आदर्श मानते हैं और लंबे समय तक उन्हें ही सुन-सुनकर सीखा है। उनकी लोकगीतों की ओर रुचि तब जगी, जब उन्होंने अनुभव किया कि पंडित लखमीचंद ने अपनी प्रसिद्ध रागनियों की धुनें लोकगीतों से ही प्रेरित होकर बनाई थीं। आज 'कइयो री खाती के लड़के ने', 'राम-लक्ष्मण दशरथ के बेटे' और 'दादा इस जांदे परदेस जाइये' उनके सबसे प्रिय लोकगीत हैं। मुकेश काले की सबसे बड़ी पहचान उनकी 'मोमेंटरी' गायकी है, जो किसी वाद्य यंत्र की मोहताज नहीं है। वे अक्सर एक साधारण मेज, स्कूल की बेंच या केवल अपने हाथ की थाप से ही वह लय पैदा कर देते हैं, जिसे सुनने के लिए लाखों लोग उनके सोशल मीडिया हैंडल पर उमड़ पड़ते हैं। उनका मानना है कि लोक संगीत लोगों के द्वारा, लोगों के लिए और लोगों के बीच ही जन्म लेता है। वे तर्क देते हैं कि जैसे कुम्हार बर्तन बनाते हुए या माताएं स्वेटर बुनते हुए गाती हैं, उन्हें किसी साज़ की ज़रूरत नहीं होती। संगीत अगर आपके भीतर है, तो वह कंप्यूटर पर काम करते हुए टेबल की थाप से भी प्रकट हो सकता है। उनकी इसी मौलिकता के कारण आज इंस्टाग्राम पर 62,000 और फेसबुक पर 36,000 से अधिक अनुयायी उनसे जुड़े हैं। काले केवल एक गायक ही नहीं, बल्कि एक गंभीर शोधार्थी भी हैं। वे उन 50-60 कवियों की रचनाओं को मुख्यधारा में लाना चाहते हैं जो समय के साथ दादा लखमीचंद और मांगेराम जैसे दिग्गजों के प्रभामंडल में कहीं ओझल हो गए। मुकेश काले इन विस्मृत रचनाओं पर निजी तौर पर शोध कर रहे हैं ताकि उन्हें पुनर्जीवित किया जा सके। उनका मुख्य ध्येय हरियाणा के 'लोक संगीत' को वैश्विक पहचान दिलाना है। वे भविष्य में एक 'हरियाणवी लोक बैंड' बनाने की दिशा में भी अग्रसर हैं, जो पारंपरिक रागनियों को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक ले जा सके।'

मुकेश का सबसे बड़ा ध्येय पूर्णतः 'हरियाणवी' बनना है। वे सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी बोली को उसी मूल ध्वनि और उच्चारण में लिखना सीख रहे हैं, जैसा हम बोलते हैं, ताकि 'जेन-जी' पीढ़ी अपनी मातृभाषा की विशिष्टता को समझ सके।

मुकेश का सबसे बड़ा ध्येय पूर्णतः 'हरियाणवी' बनना है। वे सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी भाषा को उसी मूल ध्वनि और उच्चारण में लिखना सीख रहे हैं जैसा हम बोलते हैं, ताकि 'जेन-जी' पीढ़ी अपनी मातृभाषा की विशिष्टता को समझ सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष हरियाणा का 'स्वर्ण जयंती गीत' प्रस्तुत कर चुके काले सिद्ध कर रहे हैं कि आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों को छोड़ना नहीं है। एक इंजीनियर की तार्किक बुद्धि और एक लोक कलाकार का संवेदनशील हृदय जब साथ मिलते हैं, तो मुकेश काले जैसी प्रतिभा का जन्म होता है। आज के 'अपसंस्कृति' के दौर में वे हरियाणा की सांस्कृतिक चेतना के एक मजबूत स्तंभ हैं। उनकी यह यात्रा उन तमाम युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अपनी संस्कृति को 'पिछड़ा' मानकर उससे दूर भागते हैं।

बहादुरगढ़ सेक्टर-6 के अलावा देवीलाल पार्क के साथ रेहड़ियों से लेकर अस्थायी दुकानों की भरमार

अफसरों को नहीं दिखता रोहतक रोड पर अवैध कब्जों का जाल

■ अतिक्रमण की वजह से आम लोगों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर की प्रमुख सड़कों में शुमार रोहतक रोड इन दिनों अवैध कब्जों की समस्या से जूझ रही है। देवीलाल पार्क के साथ लगती सड़क से लेकर ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन के आसपास तक रेहड़ी-पटरी और अस्थाई दुकानों का कब्जा लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे आम लोगों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। यदि समय रहते इस पर सख्त और स्थायी कार्रवाई नहीं की गई, तो आने वाले समय में यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। स्थानीय लोगों के अनुसार देवीलाल पार्क के किनारे लगने वाली फ्रूट की रेहड़ियां अब लगभग स्थाई रूप ले चुकी हैं। दिनभर यहां भीड़ बनी रहती है और सड़क का एक बड़ा हिस्सा इन दुकानों के कारण घिरा रहता है। ऐसे में वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन के पास स्थिति और भी गंभीर देखने को मिलती है, जहां यात्रियों की भारी आवाजाही के बीच सड़क किनारे लगे ठेले और दुकानों के कारण निकलना तक मुश्किल हो जाता है। ई-रिक्शा व थ्रीव्हीलरों के कारण दिनभर यहां जाम जैसे हालात बन जाते हैं। इसी तरह सांखोल के सामने बांस की टाटी से बनी अस्थाई दुकानों की कतारें लग गई हैं। सेक्टर-6 के दूसरे मोड़ से लेकर अंदरूनी और बाहरी सड़कों तक इस तरह के कब्जे फैलते जा रहे हैं, जो न केवल यातायात में बाधा बन रहे हैं, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ा रहे हैं। स्थानीय निवासी सुमेर सिंह, कपिल शर्मा व वीरेंद्र सिंह आदि का कहना है कि प्रशासन से कई बार शिकायत के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। राजनीतिक संरक्षण के चलते इन अवैध कब्जों को हटाने में अधिकारी ठोस कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। यदा-कदा नगर परिषद और प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर रेहड़ियों और अवैध दुकानों को हटाया भी जाता है, लेकिन यह कार्रवाई स्थायी समाधान साबित नहीं हो पा रही। कुछ ही समय में फिर से वहीं पुराने हालात बन जाते हैं और कब्जे दोबारा हो जाते हैं। संतोष कौशिक, करुणा शर्मा व दीपा आदि ने प्रशासन से अवैध कब्जों के खिलाफ नियमित और सख्त अभियान चलाने की मांग की है। ताकि शहर की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराया जा सके और आम जनता को राहत मिल सके। शहर में बढ़ते इन अवैध कब्जों को हटाना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

बहादुरगढ़। देवीलाल पार्क के मुहाने पर अवरोध बन रहीं रेहड़ियां। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। सांखोल के सामने पार्क में बनी बांस-बल्ली की दुकान। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

अग्रसेन ट्रस्ट के पूर्व प्रधान की पत्नी के निधन पर शोक

झज्जर। महाराजा अग्रसेन एजुकेशन ट्रस्ट के पूर्व प्रधान समाजसेवी महेंद्र बंसल की पत्नी रेखा देवी बंसल अपनी सांसारिक जीवन यात्रा पूर्ण कर प्रभु चरणों में विलीन हो गई। स्वर्गीय रेखा देवी के निधन की सूचना मिलते ही शहर व आसपास क्षेत्र के लोगों ने उनके घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की। उनके निधन पर बाबा प्रसाद गिरी मंदिर के महंत परमानंद गिरी महाराज, मृत्युंजय गिरी महाराज, भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी, व्यापार मंडल के प्रधान केशव सिंघल, गौशाला प्रधान प्रमोद बंसल, सनातन धर्म एजुकेशन सोसाइटी के प्रधान प्रकाश चंद गर्ग, मनीष बंसल, संजय कबलाना, पार्षद मिथुन शर्मा, मनोनीत पार्षद कमल गिरोत्रा सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों ने शोक व्यक्त किया।

दिवंगत रेखा देवी बंसल

हत्या मामले में पकड़े तीन आरोपी एक दिन के पुलिस रिमांड पर

झज्जर। पकड़े गए आरोपी पुलिस टीम के साथ। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव बहू के खेतों में युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस द्वारा तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस चौकी झाड़ली प्रभारी एएसआई राहुल कुमार ने बताया कि बीती 23 अप्रैल को थाना साल्हावास क्षेत्र में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। फॉरेंसिक टीम की सहायता से साक्ष्य एकत्रित किए गए तथा मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की गई। मृतक के परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान राहुल, शिवा निवासी बरहाना जिला झज्जर और कर्म निवासी रिठाल जिला रोहतक के तौर पर की गई है। प्राथमिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने आपसी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया है। आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपियों को पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

तलाव रोड पर चालक परेशान, यातायात भी हो रहा प्रभावित, दुर्घटना होने का बना अंदेशा

वेयर हाउस और हैफेड गोदामों के बाहर लगी ट्रकों की लंबी कतारें, उठान बाधित

डीसी का दावा - कुल खरीद में से करीब 58.4 प्रतिशत उपज का उठान किया जा चुका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव तलाव स्थित हैफेड गोदाम और गुरुग्राम मार्ग पर लघुसचिवालय के नजदीक स्थित वेयर हाउस के गोदामों के बाहर इन दिनों गेहूं से भरे हुए ट्रकों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। गाड़ियां खाली नहीं होने के कारण जहां ट्रक चालकों को परेशानी हो रही है, वहीं यातायात भी प्रभावित हो रहा है। तलाव रोड पर रात के समय स्थिति ज्यादा खराब रहती है, जिसके कारण दुर्घटना होने का अंदेशा भी बना हुआ है। इसके अलावा गाड़ियां खाली नहीं होने के कारण उठान कार्य भी प्रभावित हो रहा है। अनाज मंडियों में गेहूं की ऊंची-ऊंची ढेरियां लगी हुई है, जिसके कारण किसान और आढ़ती दोनों परेशान हैं।

झज्जर। गुरुग्राम मार्ग पर वेयरहाउस के गोदाम के बाहर लगी ट्रकों की लंबी कतारें।

झज्जर। वेयरहाउस गोदाम के अंदर खड़े ट्रक। फोटो : हरिभूमि

1 लाख 64 हजार 821 मीट्रिक टन गेहूं की हुई खरीद

डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने बताया कि जिले की सभी अनाज मंडियों में रबी सीजन के दौरान गेहूं खरीद के साथ-साथ उठान प्रक्रिया को और तेज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि जिले की विभिन्न मंडियों में अब तक 2 लाख 32 हजार 865 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज की जा चुकी है। जिसमें से 1 लाख 64 हजार 821 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि कुल खरीद में से करीब 58.4 प्रतिशत उपज का उठान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया निरंतर जारी है और इसमें और तेजी लाने के लिए संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं।

विधायक ने कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून ने अपने बेटे सचिन जून के आगामी 28 अप्रैल को होने वाले भव्य वैवाहिक समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए रविवार को समर्थकों और कार्यकर्ताओं की एक बैठक ली। बैठक में समारोह के सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। विधायक राजेश जून ने कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए सभी से अपने दायित्वों को पूरी जिम्मेदारी और अनुशासन के साथ निभाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हलके की जनता के साथ ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, अनेक मंत्री- विधायक आदि शामिल होंगे। समारोह स्थल पर 14 पंडाल बनाए गए हैं और हर पंडाल के संचालन के लिए अलग-अलग कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। आयोजन को भव्य और यादगार बनाने के लिए सभी स्तरों पर तैयारियां जोरों पर हैं।

बहादुरगढ़। कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपते विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। कैंप में रक्तदाता को प्रोत्साहित करते ग्रामीण व आयोजक।

आसौदा में शिविर लगाकर एकत्र किया 200 यूनिट रक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव आसौदा सिवान के प्राइमरी स्कूल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने उत्साह के साथ जवानों और जरूरतमंदों के लिए रक्तदान किया गया। आईएमए फोर्स ट्रांसफ्यूजन सेंटर दिल्ली कैंट की टीम ने 200 लोगों का रक्त संचय किया। अविष दलाल ने बताया कि आपातकालीन परिस्थितियों में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कैंप लगाया गया। कैंप में मास्टर दुलीचंद, चौधरी सूरजभान, सुरेंद्र शर्मा, सत्यनारायण जागड़ा, पंडित भगत सिंह, डॉ. जोधा आर्य, संदीप शास्त्री, सुनील आर्य, एडवोकेट जयपाल, सुखवीर दलाल, रामचंद्र, महेंद्र दलाल, रिशिया, मास्टर विजेंद्र दलाल, विरेंद्र दलाल, जोगेंद्र दलाल, राहुल शर्मा, बालू पंडित, राजवीर दलाल, नरेंद्र पहलवान, सुधीर दलाल और वेदव्रत दलाल आदि मौजूद रहे।

पार्टी की गतिविधियों को बूथ स्तर तक पहुंचाएं : शेखावत

बहादुरगढ़। बैठक में चर्चा करते भाजपा के शहरी मंडल पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को मंडल अध्यक्ष संजय सैनी के कार्यालय पर भाजपा के शक्ति केंद्र प्रमुखों एवं मंडल कार्यकारिणी के सदस्यों की बैठक हुई। मुख्य वक्ता के रूप में दिनेश शेखावत ने पार्टी की गतिविधियों को बूथ स्तर तक पहुंचाने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में बीएलए-1 चिराग परुथी ने भी पदाधिकारियों को संबोधित किया। मुख्य प्रवक्ता दिनेश शेखावत ने पार्टी की विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मंडल अध्यक्ष संजय सैनी ने पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सभी कार्यकर्ताओं के साथ देखने और फोटो सरल एप पर अपलोड करने का अनुरोध किया। साथ ही एसआईआर में भी शत-प्रतिशत जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। बैठक में रमेश राठी, दीपक सैनी, राजकुमार खुराना, आशु, रमेश, धर्मेंद्र, नरेंद्र, सतीश प्रधान, सचिन सैनी, रणबीर प्रधान, रामकुमार, अरुण कुमार, संदीप सैनी, सागर आदि उपस्थित रहे।

आंबेडकर चौक पर गूंजा हरे रामा-हरे कृष्णा, हरे कृष्णा-हरे हरे का महामंत्र

झज्जर। श्रद्धालुओं की बस को हरी झंडी दिखाते हुए गीतांशु चावला। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

इस्कॉन मंदिर से जुड़े श्रद्धालुओं की सहायता के लिए एक निःशुल्क बस सेवा की व्यवस्था की गई। रविवार को बहुत से श्रद्धालु बस में सवार होकर बहादुरगढ़ स्थित इस्कॉन मंदिर के लिए रवाना हुए। शहर के आंबेडकर चौक से रवाना हुई इस बस को हरी झंडी दिखाते हुए भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी गीतांशु चावला ने कहा कि भक्ति ही सच्चाई का रास्ता है और यही जीवन को सही दिशा देती है। युवाओं से आग्रह किया कि वे भक्ति के मार्ग पर चलें, सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करें और समाज में सकारात्मक संदेश फैलाएं। उन्होंने हरे कृष्णा, हरे राधा, हरे कृष्णा, हरे कृष्णा, हरे कृष्णा, हरे-हरे महामंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक मंत्र नहीं, बल्कि जीवन को शुद्ध और अनुशासित बनाने का माध्यम है। युवाओं से नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने और अपने आचरण से समाज में अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि युवा वर्ग सही दिशा में आगे बढ़ेगा तो समाज और राष्ट्र दोनों मजबूत होंगे। वे समाज में धर्म और भक्ति का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें और लोगों को इस दिशा में प्रेरित करें।

मुख्य अतिथि गिरिराज भारद्वाज ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया

शतरंज चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को जिला झज्जर चेस एसोसिएशन द्वारा जिला स्तरीय शतरंज चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र वितरित कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक लेने के लिए प्रेरित किया गया। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष वीबी कश्यप ने वर्षभर आयोजित की जाने वाली शतरंज गतिविधियों की जानकारी देते हुए खेल के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता में आरईडी स्कूल के छात्र वंश कौशिक ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विजेता शतरंज खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित करते अतिथि व आयोजक।

मुख्य अतिथि गिरिराज भारद्वाज ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर कपिल दहिया व संकल्प आदि उपस्थित रहे।

बादली में हुई किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता

बहादुरगढ़। रविवार को बादली की जेके स्पोर्ट्स अकेडमी में झज्जर जिला किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर के 35 खिलाड़ियों ने भाग लिया। कोच जसवंत ने बताया कि बाल वर्ग में दृष्टि और यंगर कैडिट में आदित्य गुलिया वीर ने गोल्ड मेडल जीता। सब जूनियर में देवांश ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। हनिश डागर ने गोल्ड और आदिल ने सिल्वर मेडल जीता। केनव गुलिया, अरमान, वंश राज, निखिल, वैभव व कनिका ने गोल्ड मेडल जीते। जूनियर वर्ग में रोनक, नितिन, राधिका, नैन्सी ने गोल्ड मेडल प्राप्त किए। सीनियर वर्ग में मधु ने गोल्ड मेडल जीता। मुख्य अतिथि नरेंद्र कुमार सैनी, सुदीप गुलिया, हवा सिंह मलिक, अंतरराष्ट्रीय रेफरी सीमा सैनी, मधु कुमारी, अविता, ओमपाल, जय सिंह व रामलाल सभी ने बच्चों को आर्शीवाद के साथ उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

बहादुरगढ़। किक बॉक्सरों के साथ अतिथि व आयोजक। फोटो : हरिभूमि

पटेल नगर में गुरु कृपा लाइब्रेरी का उद्घाटन

बहादुरगढ़। शहर के पटेल नगर में रविवार को गुरु कृपा लाइब्रेरी का उद्घाटन महेंद्र सिंह ने रिबन काटकर किया। उनके अनुसार युवाओं को सही दिशा देने के लिए ऐसी लाइब्रेरियों की आवश्यकता है। इस मौके पर हरिओम जांगड़ा, एएसआई अमित कुमार, मनीष मान, प्रताप जांगड़ा, वंश जांगड़ा, पुरुषोतम छिकारा, धर्मपाल ग्रेवाल, मनवीर छिल्लर, प्रवीण कुमार, खुशवंत, ओमबीर छिकारा, पंडित श्रीओम, अजीत दलाल, सुरेंद्र दलाल, हरेंद्र जून, विजय, रिंकी, भारती, कनिका और साक्षी आदि ने इस पहल की सराहना की।

कोऑपरेटिव बैंक के वाइस चेयरमैन पर लगाया छेड़खानी का आरोप

झज्जर। दी झज्जर सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक में कार्यरत एक महिला ने बैंक के वाइस चेयरमैन पर छेड़खानी, अश्लील टिप्पणी करने और मानसिक रूप से परेशान करने के आरोप लगाए हैं। जिसकी शिकायत महिला थाना में भी दी गई है। पीड़ित महिला का कहना है कि वह एचकेआरएन के तहत बैंक में कार्यरत है। वाइस चेयरमैन उसको परेशान करता है। जिसकी शिकायत पुलिस को दी गई है। पुलिस को शिकायत देने के बावजूद उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। बल्कि मुझ पर ही समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा है। पीड़ित महिला ने न्याय की मांग की है।

खबर संक्षेप

जिला लोक संपर्क व परिवेदना समिति की बैठक आज

झज्जर। रितु बंसीवाल, सीटीएम झज्जर।

झज्जर। आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं स्थायी समाधान के उद्देश्य से गठित जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक सोमवार दोपहर 2 बजे लघु सचिवालय स्थित संवाद भवन में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा करेंगे। सीटीएम रितु बंसीवाल ने बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 14 परिवाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठकें जनहित से जुड़े मामलों के समाधान के लिए एक सशक्त मंच के रूप में कार्य करती हैं, जिससे प्रशासनिक पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को बैठक में भाग लेने के निर्देश दिए हैं।

प्रकृति को अपनाकर स्वास्थ्य को बचाएं : डबास

बहादुरगढ़। वर्तमान समय में बढ़ता प्रदूषण, मिलावटी खाद्य पदार्थ और तनावपूर्ण जीवनशैली मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। ऐसे में योग, आयुर्वेद और नेचुरोपैथी हमें प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने का सरल और प्रभावी मार्ग प्रदान करते हैं। लेखिका एवं योगाचार्या डॉ. नरेश कुमारी डबास ने बताया कि इन प्राचीन पद्धतियों का मूल सिद्धांत है कि प्रकृति ही सर्वोत्तम औषधि है। यदि हम अपने घरों में तुलसी, गिलोय, एलोवेरा जैसे औषधीय पौधों के साथ-साथ मौसमी, अमरुद, जामुन, आम और चीकू जैसे फलदार पौधे लगाएं। इनसे न केवल शुद्ध आहार प्राप्त होगा, बल्कि वातावरण भी शुद्ध होगा। इसके साथ ही, इन पौधों के बीच नियमित योग और प्राणायाम करने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार होता है। यह जीवन शैली के रोगों से बचाव, प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि और मानसिक शांति प्रदान करती है। प्राकृतिक स्वास्थ्य केंद्र विकसित करे और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ाएं।

बाघपुर गांव में प्रोफेसर शेर सिंह स्मृति सभा का आयोजन, प्रस्ताव किए पारित

स्टेडियम व स्कूल का नाम प्रोफेसर शेर सिंह रखा जाए, एमडीयू में बने शोधपीठ

- *हरियाणा के बौद्धिक व सामरिक योद्धा थे : ओमप्रकाश बेरी*
- *बौद्धिक रूप से हरियाणा के बनाने का ड्राफ्ट तैयार किया*

कार्यक्रम के दौरान एक नवंबर को उनकी याद में दिवस मनाने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया। रोहतक और झज्जर की बड़ी-बड़ी संस्थाओं का नाम भी उनके नाम पर किए जाने का प्रस्ताव मौजिज लोगों ने रखा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिस प्रकार मेवाड़ की रक्षा के लिए महाराणा प्रताप ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था उसी प्रकार हरियाणा को बनाने और उसके विकास में प्रोफेसर शेर सिंह ने भी अपना सबकुछ दांव पर लगा दिया था। वे हरियाणा के हितों के इनसाइक्लोपीडिया थे तथा हिंदी आंदोलन के सामरिक व बौद्धिक योद्धा थे। उनका जीवन आदर्श व सुचिता की खुली किताब था। आज का हरियाणा उन्हीं की देन है। ये उद्गार प्रोफेसर शेर सिंह स्मृति स्थल बाघपुर के नवीनीकरण समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक ओमप्रकाश बेरी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रो. शेर सिंह ने संयुक्त पंजाब में हरियाणा क्षेत्र के साथ हुई अनदेखी के मुद्दे को लाहौर की विधानसभा में बड़ी बेबाकी से उठाया तो यहां की जनता पर गुरमुखी को जबरन थोपने पर हिंदी आंदोलन चलाकर पंजाब की तत्कालीन सताशाही को कड़ा जवाब दिया। उन्होंने बौद्धिक रूप से हरियाणा के बनाने का ड्राफ्ट तैयार किया, वहीं आंदोलन के जरिये हरियाणा के हितों की आवाज को बुलंद किया, जिसका परिणाम था कि 1 नवंबर 1966 को हरियाणा प्रदेश अस्तित्व में आया था। रोहतक का मेडिकल कॉलेज, मिल्क प्लांट रोहतक, आकाशवाणी रोहतक, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय उन्हीं के प्रयासों की दिन है।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पूर्व विधायक ओमप्रकाश बेरी एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान यज्ञ करवाते हुए आचार्य विजयपाल एवं उपस्थित विक्रम कादियान एवं अन्य प्रबुद्धजन। फोटो : हरिभूमि

जनता की आवाज बुलंद की

विधायक ने कहा कि योजना आयोग के सदस्य के रूप में रोहतक से रेवाड़ी रेलवे लाइन लाने का श्रेय उन्हीं को है। वहीं गांव-गांव में स्कूल व टेलीफोन की व्यवस्था करके हरियाणा को सुविधायुक्त बनाने का पुण्यकार्य उनकी देन है। वे हरियाणा निर्माण से लेकर विकसित हरियाणा बनने तक अग्रणी हस्ताक्षर रहे हैं। उन्होंने हरियाणा लोक समिति से लेकर हरियाणा रक्षावाहिनी से हरियाणा के आम जनता की आवाज को बुलंद किया। वे सच्चे अर्थों में आम जनता के प्रतिनिधि थे। वे सरदार पटेल, लाल बहादुर शास्त्री, पंडित जवाहरलाल नेहरू व चौधरी देवीलाल की तरह एक प्रेरणा पुंज थे।

आर्य समाज को घर-घर तक पहुंचाया

प्रोफेसर शेर सिंह स्वामी विवेकानंद की तरह युवाओं की प्रेरणा के बहुत बड़े केंद्र थे। उन्होंने युवाओं व भावी पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर भारत को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देने का आह्वान किया। गुरुकुल झज्जर के आचार्य विजय पाल ने कहा कि स्वामी ओमानंद और प्रोफेसर शेर सिंह ने आर्य समाज को घर-घर पहुंचने का काम किया। रोहतक जिले और हरियाणा में शराबबंदी लागू करवाने में प्रोफेसर शेर सिंह के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। अमेरिका की यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रहे डॉक्टर बलबीर सुहाग ने कहा कि प्रोफेसर शेर सिंह एक बहुत बड़ी वैदिक विचारधारा का साम्राज्य छोड़कर चले गए, जिन पर विवि में शोध कार्य हो सकता है तथा वे भावी पीढ़ी के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत का काम कर सकते हैं। वहीं, कादियान खाप के प्रधान राजपाल कादियान ने कहा कि प्रोफेसर शेर सिंह ने खाप पंचायत के जरिए समाज की बड़ी सेवा की। वक्ताओं की तरफ से बाघपुर के खेल स्टेडियम और स्कूल का नाम प्रोफेसर शेर सिंह के के नाम पर रखने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस मौके पर प्रोफेसर शेर सिंह की बेटी डॉक्टर नीलम सिहाग, डॉक्टर जगबीर सिंह, राकेश प्रजापति सरपंच बाघपुर व अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। वहीं, विक्रम कादियान ने युवाओं को प्रोफेसर शेर सिंह के दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

झज्जर। समारोह में शिक्षकों के साथ उपस्थित संस्थान के पूर्व विद्यार्थी।

संस्थान की पहचान होते हैं पूर्व विद्यार्थी : डॉ. शैलेंद्र

- चौधरी रणबीर सिंह राज्य इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में पूर्व छात्र मिलन समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

चौधरी रणबीर सिंह राज्य इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में रविवार को प्रथम पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित संस्थान निदेशक एवं प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर शैलेंद्र कुमार ने की। उन्होंने पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि वे किसी भी संस्थान की सशक्त पहचान होते हैं और उनके अनुभव वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने पूर्व विद्यार्थियों को अपने-अपने क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने, निरंतर सीखने, नवाचार और समर्पण के माध्यम से अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले के उपायों की जानकारी दी।

दी प्रेरणा
विद्यार्थियों ने अनुभवों को साझा किया

इस दौरान पूर्व विद्यार्थियों ने भी अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में प्राप्त अनुभवों को साझा किया तथा संस्थान के विकास के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक गतिविधियों एवं संवाद सत्र का भी आयोजन किया गया, जिससे पूर्व और वर्तमान विद्यार्थियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ। इस मौके पर प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉक्टर कुलवंत खरब, प्रवीन कुमार, शक्तिराज, लेखा अधिकारी अश्वनी कुमार, भूपेंद्र, पूर्णिमा, सुविधा, डॉक्टर नरेंद्र कुमार, डॉक्टर संदीप खरब, डॉक्टर आयुषी, डॉक्टर हरीश, वर्षा, डॉक्टर राहुल ग्रेवाल, डॉक्टर सचिन दहिया सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बीमारियों से बचने के तरीके बताए, 82 की सेहत जांची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के दिल्ली हॉस्पिटल में रविवार को बदलते गर्मी के मौसम में बढ़ती बीमारियों से बचाव और स्वस्थ-संतुलित जीवन शैली को लेकर विशेष चर्चा तथा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सकों ने संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, पर्याप्त नींद और तनाव नियंत्रण को स्वस्थ शैली का आधार बताया।

कार्यक्रम संयोजक सत्येंद्र दहिया ने बताया कि कैंप में 82 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. श्रवण बंसल ने बदलते मौसम, बढ़ती गर्मी संबंधी समस्याओं से बचने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि हरी एवं पत्तेदार सब्जियां, पौष्टिक आहार,

डॉ. एसके बंसल।

नियमित व्यायाम और समयबद्ध दिनचर्या को स्वस्थ जीवन का अनिवार्य अंग बनाएं। डॉ. अंजली बंसल ने सभी लोगों के स्वास्थ्य की गंभीरता से जांच करते हुए उचित परामर्श दिया। शिविर में अंजली दहिया, तनवी रोहिल्ला, पूजा दहिया, सविता, आयुष चौहान, गणेश सैनी, विजय पुनहानी, मास्टर प्रवीन मलिक, अनिल दलाल व विशाल आदि उपस्थित रहे।

समागम में गुरु के दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान

- गुरुद्वारा सचखंड साहिब में हुआ 20वें सालाना गुरमत समागम का समापन
- अखंड पाठ के भोग उपरांत हुआ कीर्तन व अटूट लंगर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के गुरुद्वारा सचखंड साहिब में 20वें सालाना गुरमत समागम का भव्य आयोजन किया गया। इसमें भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यह समागम बैसाखी पर्व एवं गुरु नानक चैरिटेबल डिस्पेंसरी की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु घर की हाजिरी भरी।

बहादुरगढ़। गुरु ग्रंथ साहिब की आरती करते डॉ. सोहन लाल अरोड़ा।

बहादुरगढ़। समागम के दौरान कीर्तन करती स्त्री सत्संग सभा की सदस्य।

समागम की शुरुआत शुक्रवार को श्री अखंड पाठ साहिब के शुभारंभ के साथ हुई। तीन दिनों तक चली इस धार्मिक सेवा का समापन रविवार को अखंड पाठ साहिब के भोग के साथ हुआ। इसके उपरांत विभिन्न प्रसिद्ध रागी जत्थों द्वारा गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

जटवाड़ा मोहल्ला के ग्रंथी अवतार सिंह ने संगत को गुरुओं के उपदेशों के बारे में बताया और उस पर चलने का संदेश दिया। कीर्तन करते हुए स्त्री सत्संग सभा ने गुरु महिमा का विस्तार से बखान किया। ग्रंथी जोगेंद्र सिंह ने भी गुरु ग्रंथ साहिब की वाणी का गुणगान करते हुए संगत को आध्यात्मिक मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। समागम के अंत में गुरुद्वारा सचखंड साहिब के प्रधान डॉ. सोहन लाल अरोड़ा सहित प्रबंधक कमेटी के सदस्यों ने विधिवत अरदास की गई, जिसमें विश्व कल्याण, सद्भाव, भाईचारा और सुख-समृद्धि की कामना की गई। इसके पश्चात संगत के लिए अटूट लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे, जहां नागरिकों की शिकायतें सुनकर उनका मौके पर ही निपटान सुनिश्चित किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तर पर आयोजित समाधान शिविर में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल एवं उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनेंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

शास्त्री नगर में भजनों पर झूमे भक्त

बहादुरगढ़। बाल सेवा मंडल (बाबा के सेवादार-बहादुरगढ़) द्वारा 15वां विशाल मां भगवती, खाटू श्याम जी व बालाजी महाराज का जागरण आयोजित किया गया। सेक्टर-9 के निकट शास्त्री नगर में श्रीश्री 1008 गणेश जी महाराज, पंडित योगेश शास्त्री, श्रीश्री 1008 बाबा मोहन गिरी जी महाराज, आचार्य सोनू वत्स, मोनू दास महाराज व हरिओम मुदगिल के सान्धिय में हुए जागरण में कृष्णा शर्मा, राजफूल कुचरानिया, धर्मेश दर्शन व सन्नी ने भजन सुनाएं।

मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों का चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

नूना माजरा स्थित महाराजा अग्रसेन केदार नाथ गुप्ता मेडिकल कॉलेज में रविवार को भी विभिन्न फैकल्टी एवं चिकित्सा पदों के लिए वॉक-इन इंटरव्यू का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के मुख्य सलाहकार डॉ सुशील गुप्ता, राजेश गुप्ता, संजय गुप्ता, डॉ. बीएल शेरवाल व डॉ. पूनम अग्रवाल ने अभ्यर्थियों का मूल्यांकन किया। साक्षात्कार में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, सीनियर रेजिडेंट एवं मेडिकल सुपरिटेंडेंट जैसे महत्वपूर्ण पदों के लिए बड़ी संख्या में योग्य एवं अनुभवी अभ्यर्थियों ने भाग लिया। विभिन्न विषयों में चयन प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न हुई।

बहादुरगढ़। अभ्यर्थी का इंटरव्यू लेते अस्पताल ट्रस्ट के पदाधिकारी।

बहादुरगढ़। सतगुरु कबीर आश्रम में पाठ के उपरांत आरती करते श्रद्धालु।

संत करतार साहेब का 17वां निर्वाण दिवस मनाया

बहादुरगढ़। लाइनपार के विकास नगर स्थित सतगुरु कबीर आश्रम में संत करतार साहेब का 17वां निर्वाण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान संतों ने दिव्य वाणी के पाठ के माध्यम से संत कबीर साहेब व संत गरीबदास की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। संत निगमदास महाराज ने संत करतार साहेब के निर्वाण दिवस पर श्रद्धापूर्वक नमन किया। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। विक्रम देव शास्त्री, महेंद्र दास, रोहतास, प्रदीप तंवर, गोवर्धन दास महाराज, रामकुमार, शमशेर आदि ने कबीर साहेब के उपदेशों को जीवन में अपनाने का प्रण लिया।

बहादुरगढ़। बेंगलुरु में शानदार प्रदर्शन करने वाले बीआरजी के धावक।

बेंगलुरु में भी लहराया बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप का परचम

बहादुरगढ़। देश की प्रतिष्ठित दौड़ में शुमार टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु-2026 में रविवार को शानदार भागीदारी दर्ज कराते हुए बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के 16 धावकों ने अपनी मजबूत उपस्थिति के साथ जीत का परचम लहराया। इसके अलावा ग्रुप के वरिष्ठ धावक राजेश रघुवंशी ने नोएडा में आयोजित 10 किलोमीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे धीमी दौड़ श्रेणी में पोडियम स्थान हासिल किया। रजत कौशिक, गुलाब सिंह, अरुण विजयरण, योगेंद्र हुड्डा, धीरज छिल्लर, विकास पन्नू, प्रफुल बेनीवाल, धर्मवीर यादव, विकास दहिया, सुधीर तेवतिया, अभय टेटे, चंदन, एंटनी, देवेश तुली, राकेश सरन आदि ने बेंगलुरू में अपने जौहर दिखाए। बीआरजी संस्थापक दीपक छिल्लर ने बताया कि बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के 16 धावकों ने बेंगलुरु 10 किलोमीटर दौड़ में भाग लिया। ग्रुप के धावक प्रोकेम स्लैम चैलेंज को भी पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके तहत बेंगलुरु में 10 किलोमीटर दौड़ पूरी करने के बाद अब दिल्ली में 21 किलोमीटर, मुंबई में 42 किलोमीटर तथा कोलकाता में टाटा स्टील 25 किलोमीटर दौड़ में भाग लेंगे।

लड़कों की 200 मीटर रेस में गुरमीत प्रथम

100 मीटर में सुशांत व पायल सबसे तेज दौड़े

- भिंडावास खेल स्टेडियम में जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। आयोजकों के साथ मंच पर उपस्थित प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी।

रविवार को भिंडावास खेल स्टेडियम में जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एथलेटिक्स संघ झज्जर व भिंडावास जन शक्ति युवा क्लब के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए जिला एथलेटिक्स संघ के महासचिव एवं भीम अवार्डी चरण सिंह राठी ने बताया कि प्रतियोगिता में जूनियर अंडर- 20 व सीनियर लड़के व लड़कियों ने भाग लिया। मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित भिंडावास जन शक्ति युवा क्लब के प्रधान मैनपाल ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता परिणामों में लड़कों की 100 मीटर दौड़ में सुशांत प्रथम व मनीष द्वितीय रहा। लड़कियों में पायल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लड़कों की 200 मीटर रेस में गुरमीत प्रथम व मनीष द्वितीय रहे। 400 मीटर रेस में गुरमीत ने पहला व अंशुल ने दूसरा स्थान हासिल किया। लड़कियों में नंदिता पहले स्थान पर रही। लड़कों की 800 मीटर रेस में हितेश प्रथम व निशांत द्वितीय रहा। लड़कियों की इसी प्रतियोगिता में स्नेह ने पहला स्थान हासिल किया। इसी प्रकार लंबी कूद प्रतियोगिता में लड़कों में यश व मंयक तथा लड़कियों में दीक्षा व पायल ने क्रमशः पहला व दूसरा स्थान हासिल किया। लड़कियों की हैमर थ्रो प्रतियोगिता में शिवानी प्रथम व मीनू द्वितीय रही। गोला फेंक प्रतियोगिता में लड़कों में मानव व लड़कियों में खुशी प्रथम रहे। ऊंची कूद प्रतियोगिता में लड़कों में यश व लड़कियों में नंदिता ने प्रथम स्थान हासिल किया। सभी विजेता खिलाड़ियों को मुख्यातिथि द्वारा पदक व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर एथलेटिक्स संघ के प्रधान जयप्रकाश जाखड़, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार, तकनीकी अधिकारी करण राठी, हरमेश, विक्रांत दलाल, रिंकू, संजीता, नेहा, राम अवतार, जय भगवान, अमित पांचाल, रिंकू, राजू सहित अन्य भी उपस्थित रहे।